समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Monday, 21 September 2026

संघर्ष से साकार हुआ सपना – 'परिधान रेंटल बुटीक' के माध्यम से हर्षदा राजन मोरे की प्रेरणादायक उद्यमी यात्रा

Sanket Morankar

Published on 21 Feb 2026

हर सफल व्यक्ति की कहानी के पीछे संघर्ष, त्याग और मजबूत संस्कारों की नींव छिपी होती है। हर्षदा राजन मोरे की सफलता के पीछे भी यही मजबूत आधार है। उनके जीवन में सबसे बड़ी प्रेरणा उनके पिता हैं। वे एक पूर्व सैनिक (Ex-Army Man) होने के साथ-साथ परिश्रमी किसान भी हैं। कठिन परिस्थितियों में अथक मेहनत और ईमानदारी से उन्होंने अपना परिवार संभाला और अपने तीनों बच्चों को अच्छी शिक्षा दी। अनुशासन, परिश्रम और जिम्मेदारी के जो संस्कार उन्होंने दिए, वही हर्षदा के व्यक्तित्व की सबसे बड़ी शक्ति बने।

हर्षदा बचपन से ही प्रतिभाशाली, दृढ़निश्चयी और बड़े सपने देखने वाली थीं। उन्होंने अपने माता-पिता को दिन-रात मेहनत करते देखा था। परिवार के लिए उनके त्याग को देखकर उनके मन में भी कुछ अलग और अपने दम पर करने की इच्छा जागी। कठिनाइयों से लड़ने का साहस और कभी हार न मानने की सोच उन्हें अपने पिता से विरासत में मिली। जीवन के हर कठिन मोड़ पर उनके पिता ढाल की तरह उनके साथ खड़े रहे और उन्हें आत्मविश्वास देते रहे।

साधारण किसान परिवार में पली-बढ़ी हर्षदा की जिंदगी सादगी और संघर्ष से जुड़ी रही। उनके पति भी किसान हैं, इसलिए परिवार की जीवनशैली मेहनत और साधारणता पर आधारित थी। लेकिन इन परिस्थितियों के बीच भी हर्षदा ने अपने लिए एक अलग पहचान बनाने का सपना देखा। वे केवल सपने देखने वाली नहीं थीं, बल्कि उन्हें सच करने का साहस भी रखती थीं।

अपने सपनों की शुरुआत उन्होंने छोटी-छोटी बचत से की। कई छोटे त्यागों के बाद उन्होंने 15,000 रुपये की पहली पूंजी जुटाई। यह राशि उनके लिए सिर्फ पैसे नहीं थे, बल्कि उनके सपने की पहली मजबूत नींव थी। इसी से उन्होंने कुछ सुंदर ड्रेस और ज्वेलरी खरीदी और ऑनलाइन माध्यम से **Paridhan Rental Boutique** की शुरुआत की।

यह सफर आसान नहीं था। वे गांव में रहती थीं और बुटीक का सामान शहर में रहने वाले रिश्तेदारों के घर रखना पड़ता था।

सीमित संसाधन, कम सुविधाएं और सामाजिक चुनौतियों के बीच उन्होंने अपना काम जारी रखा। वर्ष 2022 से 2023 का समय उनके जीवन का सबसे संघर्षपूर्ण दौर रहा।

शुरुआत में परिवार का पूरा समर्थन नहीं मिला। अपने व्यवसाय के लिए परिवार को समझाना और उनका विश्वास जीतना बड़ी चुनौती थी। लेकिन हर्षदा ने संयम, धैर्य और निरंतर मेहनत से सबका भरोसा जीत लिया। धीरे-धीरे उनके काम की गुणवत्ता और ईमानदारी ग्राहकों को पसंद आने लगी। ग्राहकों से मिलने वाली सकारात्मक प्रतिक्रिया उनके आत्मविश्वास को बढ़ाती गई।

दिसंबर 2023 उनके जीवन का ऐतिहासिक क्षण बना। इसी महीने उन्होंने आधिकारिक रूप से 'परिधान रेंटल बुटीक' की शुरुआत की। यह उनकी वर्षों की मेहनत और संघर्ष का परिणाम था।

आज 'परिधान रेंटल बुटीक' के माध्यम से वे कई महिलाओं के जीवन के खास दिनों को और भी खास बनाती हैं। शादी, सगाई या किसी भी महत्वपूर्ण अवसर पर वे हर ग्राहक की पसंद और व्यक्तित्व के अनुसार ड्रेस और ज्वेलरी उपलब्ध कराती हैं। उनके लिए यह केवल व्यवसाय नहीं है, बल्कि एक भावनात्मक रिश्ता है। ग्राहकों की खुशी में ही वे अपनी सफलता देखती हैं।

उनकी मेहनत और समर्पण को पहचान देते हुए उन्हें महाराष्ट्र के प्रतिष्ठित पुरस्कारों के लिए चुना गया है। उन्हें "Maharashtra Business Icon 2025", "Maharashtra Style Icon 2025" और "Maharashtra Fashion Icon 2025" सम्मान के लिए चयनित किया गया है। यह सम्मान Reseal.in और India Fashion Icon Magazine द्वारा प्रदान किया जाएगा। यह मंच महाराष्ट्र के उभरते उद्यमियों और रचनात्मक प्रतिभाओं को सम्मानित करता है।

इस भव्य पुरस्कार समारोह में प्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्रियां Varsha Usgaonkar, Sonalee Kulkarni और Prarthana Behere भी उपस्थित रहेंगी।

यह कार्यक्रम Sudhir Kumar Pathade के नेतृत्व में आयोजित किया जा रहा है, जो Reseal.in (Sure Me Multipurpose Pvt. Ltd.) के संस्थापक एवं CEO हैं। वे महाराष्ट्र के उभरते उद्यमियों और कलाकारों को राष्ट्रीय स्तर पर मंच प्रदान कर रहे हैं।

आज 'परिधान रेंटल बुटीक' केवल एक व्यवसाय नहीं, बल्कि विश्वास, गुणवत्ता और प्रेरणा का प्रतीक बन चुका है। हर्षदा राजन मोरे ने यह साबित कर दिया है कि यदि मन में दृढ़ निश्चय, मेहनत और आत्मविश्वास हो तो कोई भी सपना असंभव नहीं होता।

उनकी प्रेरणादायक यात्रा हर महिला के लिए एक संदेश है —
"सपने देखो, उन पर विश्वास रखो, संघर्ष करो और अपनी मेहनत से अपनी सफलता स्वयं बनाओ।"

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.